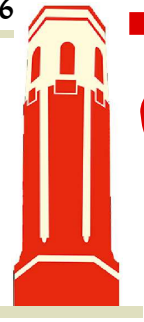


- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 258
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00



दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सीएम धामी की पहल

106 युवाओं को मिली विदेश में नौकरी!

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल से उत्तराखंड के युवाओं का विदेश में नौकरी का सपना साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के तहत अब तक प्रदेश के 106 युवा विदेश में नौकरी पा चुके हैं। युवाओं को विदेश में रोजगार दिलाने के लिए उन्हें विदेशी भाषाओं में पारंगत बनाया जा रहा है। इसके लिए प्रदेश में जर्मन और जापानी भाषा के कुल 158 प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। जबकि उत्तरकाशी और टिहरी जनपद में भी जल्द ही विदेशी भाषा प्रशिक्षण केंद्र खोले जाएंगे।

मुख्यमंत्री धामी की पहल पर मई 2023 में इस रोजगारपरक योजना को मंजूरी दी गई थी। योजना के क्रियान्वयन के लिए कौशल एवं सेवायोजन विभाग के तहत विदेश रोजगार प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। सरकार का लक्ष्य युवाओं को वैश्विक जरूरतों के अनुरूप तैयार कर अधिक से अधिक संख्या में विदेशों में रोजगार उपलब्ध कराना है। इसके लिए देहरादून में जर्मन भाषा के



75 और जापानी भाषा के 45, अल्मोड़ा में जर्मन भाषा के 22 और बागेश्वर में जापानी भाषा के 16 प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए जा रहे हैं।

प्रकोष्ठ से मिली जानकारी के

मुताबिक वर्तमान में जनपद देहरादून में जर्मनी के लिए 04 बैच, जापान के लिए 02, जनपद अल्मोड़ा में जर्मनी के लिए 01 और जनपद बागेश्वर में जापान के लिए 01 बैच में भाषा प्रशिक्षण संचालित

है। सरकार के प्रयासों से अभी तक 106 युवा विदेशों में रोजगार पा चुके हैं। इनमें 75 जापान, 01 जर्मनी और 30 युवा सऊदी अरब में हेल्थ, हॉस्पिटैलिटी और अन्य सेक्टर में कार्यरत हैं।

धामी सरकार युवाओं को विभिन्न देशों में रोजगार के अधिकाधिक मौके उपलब्ध कराने के प्रयास में जुटी है। हाल ही में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड आए जमैका में भारत के उच्चायुक्त मयंक जोशी, इथियोपिया में भारत के राजदूत देवेश उत्तम और जाम्बिया में भारत के उच्चायुक्त आलोक रंजन झा के साथ भी बैठक में तीनों देशों में रोजगार की संभावनाओं और कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता पर विशेष तौर पर चर्चा की। अब मुख्यमंत्री के निर्देश पर तीनों देशों की जरूरत के अनुसार युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा।

पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना प्रदेश सरकार की कसौटी पर खरी उतरी है। योजना की सफलता को देखते हुए विदेशी भाषा प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या बढ़ा दी गई है। युवाओं को वैश्विक मांग के अनुरूप आवश्यक कौशल और प्रशिक्षण देकर दक्ष बनाया जा रहा है। अधिकारियों को इसके लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

पति ने पत्नी को पाठल से काट कर उतारा मौत के घाट

हमारे संवाददाता

देहरादून। गृह क्लेश के चलते एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को पाठल से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। जिसके बाद वह मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर राजस्व पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

मामला कालसी तहसील क्षेत्र के ग्राम कचटा का है। यहां गृह क्लेश के दौरान मनोज ने अपनी पत्नी नीलम (22) की पाठल से कई बार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची राजस्व पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में प्रयोग किया गया पाठल बरामद कर ली है। फरार आरोपी की तलाश में उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। नायब तहसीलदार राजेंद्र लाल के अनुसार, मनोज मजदूरी का काम करता है। वह भोजन करने घर आया था। वह दो मंजिले मकान की निचली मंजिल के कमरे में पत्नी नीलम के साथ था। इसी दौरान दोनों के बीच किसी



बात पर विवाद हो गया। झगड़े के बाद नीलम चिल्लाते हुए कमरे से बाहर निकली।



उसकी आवाज सुनकर आरोपी की बहन और परिवार के अन्य सदस्य भी बाहर आ गए। इसी

दौरान मनोज भी उसके पीछे बाहर आया और बरामदे में नीलम को पकड़कर वहां रखे तेजधार पाठल से उस पर हमला कर दिया। उसने नीलम की गर्दन, पीठ, बगल पर पाठल से कई बार किए। गंभीर चोट लगने से नीलम की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के दौरान आरोपी की मां घर के पास खेत में काम कर रही थी। शोर सुनकर वह भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी अपने छोटे बेटे संजय को दी। इसके बाद परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह मौके से फरार हो गया। मृतका नीलम लखवाड़ निवासी धींगा की पुत्री थीं। उनका विवाह करीब दो वर्ष पहले मनोज से हुआ था। दंपती की कोई संतान नहीं थी। नायब तहसीलदार के अनुसार, आरोपी के भाई संजय की शिकायत पर हत्या और अन्य संबंधी धारा में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। प्रथम दृष्टया घटना का कारण गृह क्लेश लग रहा है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

सुरक्षा का भरोसा, सिर्फ आदेशों से नहीं

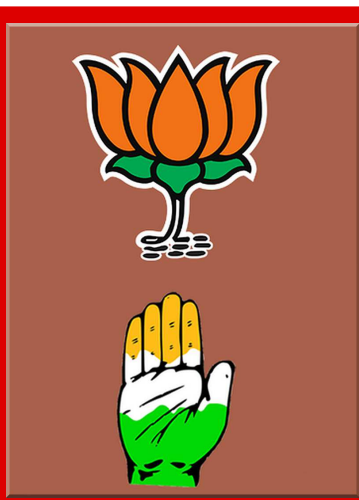
महिलाओं की सुरक्षा किसी भी सभ्य समाज की बुनियादी कसौटी है। जब लड़कियों को शिक्षण संस्थानों तक आने-जाने में असुरक्षा महसूस हो, जब सार्वजनिक परिवहन में सफर करना चिंता का कारण बने और जब अभिभावकों को अपनी बेटियों की सुरक्षा को लेकर आशंकित रहना पड़े, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का सवाल नहीं रह जाता, बल्कि पूरे समाज की संवेदनशीलता और शासन की जवाबदेही की परीक्षा बन जाता है। ऐसे में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से शिक्षण संस्थानों के आसपास पुलिस गश्त बढ़ाने और वाहन चालकों के सत्यापन जैसे निर्देश एक महत्वपूर्ण पहल हैं। यह निर्देश उस बुनियादी सवाल की ओर ध्यान खींचते हैं कि आखिर महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी किसकी है और इस जिम्मेदारी का निर्वहन कितनी गंभीरता से किया जा रहा है। शिक्षण संस्थान ज्ञान, स्वतंत्रता और आत्मविश्वास के केंद्र होते हैं। वहां पढ़ने वाली छात्राओं को यह भरोसा होना चाहिए कि वे बिना किसी भय के शिक्षा प्राप्त कर सकती हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि कई स्थानों पर संस्थानों के आसपास की सड़कें, सुनसान रास्ते, बस स्टॉप और सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था सुरक्षा की दृष्टि से चिंता पैदा करती है। पुलिस की नियमित मौजूदगी का अभाव, संदिग्ध गतिविधियों पर कमजोर निगरानी और शिकायतों पर समय से कार्रवाई न होना ऐसी परिस्थितियां पैदा करते हैं, जिनका खामियाजा महिलाओं और छात्राओं को भुगतना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का महत्व इसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए। शिक्षण संस्थानों के आसपास पुलिस गश्त बढ़ाने से न केवल असामाजिक तत्वों पर निगरानी मजबूत हो सकती है, बल्कि छात्राओं और उनके अभिभावकों में सुरक्षा का भरोसा भी पैदा होगा। इसी तरह वाहन चालकों का सत्यापन सार्वजनिक परिवहन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में उपयोगी कदम है। हालांकि, सत्यापन की प्रक्रिया केवल औपचारिकता बनकर नहीं रहनी चाहिए। चालक की पहचान, उसके दस्तावेजों की प्रामाणिकता और संबंधित अभिलेखों की नियमित जांच व्यवस्था का हिस्सा बननी चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि क्या पुलिस गश्त बढ़ाने और सत्यापन कराने भर से महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो जाएगी? निश्चित रूप से नहीं। यह आवश्यक कदम हैं, लेकिन समस्या का समाधान केवल पुलिस की मौजूदगी तक सीमित नहीं है। सुरक्षा के लिए जवाबदेही की स्पष्ट व्यवस्था, त्वरित शिकायत निवारण, संवेदनशील पुलिस तंत्र और दोषियों के खिलाफ समयबद्ध कार्रवाई भी उतनी ही जरूरी है। यदि किसी घटना के बाद ही प्रशासन सक्रिय होता है और कुछ दिनों की सख्ती के बाद व्यवस्था फिर पुराने ढर्रे पर लौट आती है, तो ऐसे प्रयासों का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। यह भी समझना होगा कि महिलाओं की सुरक्षा का अर्थ केवल किसी अग्रिय घटना को रोकना नहीं, बल्कि ऐसा वातावरण तैयार करना है जिसमें महिलाएं बिना किसी भय के अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकें। उन्हें पढ़ाई, नौकरी, सार्वजनिक परिवहन और सामाजिक गतिविधियों के लिए अपनी स्वतंत्रता से समझौता न करना पड़े। सुरक्षा के नाम पर महिलाओं की आवाजाही सीमित करना या उनके समय और व्यवहार पर अनावश्यक पारबंदियां लगाना समस्या का समाधान नहीं है। जिम्मेदारी उन परिस्थितियों को बदलने की है, जो असुरक्षा को जन्म देती हैं। इस दिशा में शिक्षण संस्थानों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में शिकायत तंत्र प्रभावी होना चाहिए। परिसर के आसपास पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षित परिवहन, संवेदनशील स्थानों की पहचान और स्थानीय पुलिस के साथ नियमित समन्वय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन संचालकों को भी अपने चालकों और कर्मचारियों के सत्यापन तथा यात्रियों की सुरक्षा के प्रति जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। तकनीक का इस्तेमाल निगरानी और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के लिए किया जा सकता है, लेकिन उसे मानवीय संवेदनशीलता और प्रशासनिक जिम्मेदारी का विकल्प नहीं बनाया जा सकता। सबसे महत्वपूर्ण सवाल पुलिस और प्रशासन की जवाबदेही का है। गश्त बढ़ाने का आदेश जारी कर देना आसान है, लेकिन यह सुनिश्चित करना कठिन है कि पुलिस वास्तव में संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित रूप से मौजूद है या नहीं। सत्यापन का निर्देश देना आसान है, लेकिन यह देखना जरूरी है कि उसका पालन हुआ भी है या नहीं। इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी, नियमित समीक्षा और लापरवाही पाए जाने पर जवाबदेही तय करने की व्यवस्था होनी चाहिए। संबंधित संस्थानों और परिवहन संचालकों को भी अपनी जिम्मेदारियों से बचने नहीं दिया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की पहल का वास्तविक मूल्यांकन आदेशों की संख्या से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से होना चाहिए। क्या छात्राओं की शिकायतों पर कार्रवाई तेज हुई? क्या असुरक्षित स्थानों पर निगरानी बढ़ी? क्या सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हुई? क्या महिलाओं का भरोसा बढ़ा? इन सवालों के जवाब ही बताएंगे कि निर्देश कितने प्रभावी रहे। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकारों और प्रशासन को यह समझना होगा कि यह कोई मौसमी अभियान या किसी एक घटना के बाद दिखाई जाने वाली सक्रियता का विषय नहीं है। यह निरंतर प्रयास, संस्थागत सुधार और सामाजिक जिम्मेदारी की मांग करता है। न्यायपालिका दिशा दिखा सकती है, आदेश दे सकती है और व्यवस्था को जवाबदेह बनाने में भूमिका निभा सकती है, लेकिन उन आदेशों को प्रभावी ढंग से लागू करने की जिम्मेदारी कार्यपालिका और पुलिस की है। अंततः महिलाओं को सुरक्षा का भरोसा भाषणों, नारों और कागजी निर्देशों से नहीं मिलेगा। यह भरोसा तब पैदा होगा, जब पुलिस समय पर पहुंचेगी, शिकायतों को गंभीरता से सुनेगी, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की स्वतंत्रता को सम्मान मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर हैं। अब परीक्षा व्यवस्था की है कि वह इस अवसर को वास्तविक बदलाव में बदलती है या फिर इसे भी आदेशों और औपचारिकताओं के बीच सीमित रहने देती है।

भाजपा-कांग्रेस में आंकड़ों का ‘द्वंद’

कार्यालय संवाददाता
देहरादून। उत्तराखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी संग्राम तेज हो गया है। मतदाता सूची से लाखों नाम कम होने पर कांग्रेस के सवालों के जवाब में भाजपा ने आंकड़ों के साथ पलटवार किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि फार्म-7 के जरिए लाखों मतदाताओं के नाम काटने का आरोप वास्तविक आंकड़ों से मेल नहीं खाता। उनके अनुसार, फार्म-7 के तहत प्राप्त 96,7०4 आवेदनों में से जांच के बाद केवल 7,522 नाम हटाने की आपत्तियां स्वीकार की गईं, जबकि 89,182 आवेदन निरस्त कर दिए गए।

भाजपा ने कांग्रेस से सवाल किया है कि यदि पुनरीक्षण के दौरान अनुपस्थित, स्थानांतरित या मृत बताए गए मतदाता वास्तव में उत्तराखंड में रह रहे हैं, तो कांग्रेस उन्हें खोजकर निर्वाचन आयोग के सामने पेश करे। भट्ट ने आरोप लगाया कि कांग्रेस मतदाता सूची के आंकड़ों को राजनीतिक रंग देकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है। भाजपा का कहना है कि मतदाता सूची को अद्यतन करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है और इसे राजनीतिक विवाद का हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए।

भाजपा की दलील है कि फार्म-7 के आंकड़ों और पूरी मतदाता सूची में आई कमी को एक ही नजरिये से देखना गलत है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, एसआईआर के दौरान 8,26,977 मतदाता अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहरी प्रविष्टि वाली श्रेणियों में चिह्नित किए गए थे। अंतिम मतदाता सूची में 71,58,949 मतदाता दर्ज हैं। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, प्रारूप सूची के बाद 1,29,872



◆एसआईआर पर कांग्रेस के आरोपों को भाजपा की चुनौती
◆7,522 नामों पर आपत्ति मंजूर, नौ लाख के दावे पर घेरा
◆महेंद्र बोले फार्म-7 से लाखों नाम काटने का आरोप भ्रामक
◆स्थानांतरित मतदाताओं के आंकड़ों पर कांग्रेस से मांगा जवाब

नए मतदाता जोड़े गए, जबकि 1,०4,7०8 नाम हटाए गए। इनमें 7,522 नाम फार्म-7 पर स्वीकार की गई आपत्तियों के आधार पर हटाए गए।

भाजपा इसी अंतर को कांग्रेस के आरोपों के जवाब के रूप में पेश कर रही है। पार्टी का तर्क है कि पूरी सूची में आई कमी को केवल फार्म-7 के जरिए नाम काटने की कार्रवाई बताना सही नहीं है। हालांकि, कांग्रेस की ओर से मतदाता सूची में संभावित गड़बड़ियों और पात्र मतदाताओं के नाम हटाने की आशंकाएं उठाई गई हैं। ऐसे में विवाद का अंतिम

समाधान राजनीतिक आरोपों से नहीं, बल्कि निर्वाचन आयोग के सत्यापन और शिकायतों के निष्पक्ष निस्तारण से ही होगा। महेंद्र भट्ट ने कांग्रेस को चुनौती दी कि यदि पार्टी को लगता है कि सूची से हटाए गए लोग वास्तव में पात्र मतदाता हैं और उत्तराखंड में ही रह रहे हैं, तो वह उन्हें ढूंढकर आयोग के सामने पेश करे। भाजपा के इस बयान को कांग्रेस के आरोपों पर सीधा राजनीतिक पलटवार माना जा रहा है।

भाजपा का सवाल है कि यदि नाम हटाने की प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई है, तो कांग्रेस को संबंधित मतदाताओं और उनके मामलों के आधार पर शिकायतें सामने रखनी चाहिए। वहीं, कांग्रेस की आशंकाओं की जांच करना और यह सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है कि कोई पात्र मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। उत्तराखंड में वर्ष 2०27 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची का मुद्दा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो गया है। भाजपा जहां पुनरीक्षण को सूची दुरुस्त करने की प्रक्रिया बता रही है, वहीं कांग्रेस की चिंता पात्र मतदाताओं के नाम छूटने को लेकर है। इस विवाद में दोनों दल अपने-अपने राजनीतिक तर्क रख रहे हैं, लेकिन सबसे अहम सवाल उन नागरिकों का है जिनके नाम नई सूची में नहीं हैं।

लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुद्धता जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदान का अधिकार सुरक्षित रखना भी है। इसलिए भाजपा की चुनौती और कांग्रेस के आरोपों के बीच अब निगाहें निर्वाचन आयोग की जांच, नामों के पुनर्सत्यापन और पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल करने के प्रयासों पर रहेंगी।

‘जनसंवाद’ का सच या राजनीतिक ‘पैंतरा’

कार्यालय संवाददाता
देहरादून। उत्तराखंड की सियासत में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत एक बार फिर विवादों के केंद्र में हैं। एक तरफ अपनी ही पार्टी के हाईकमान के साथ धन्यवाद एवं जनसंवाद यात्रा को लेकर खींचतान, दूसरी तरफ खानपुर के विधायक उमेश कुमार के तीखे व्यक्तिगत हमले। रावत की राजनीतिक शैली पर सवाल उठाते हुए उमेश कुमार ने उन्हें झमेबाज और नौटंकीबाज तक कह दिया। उनके इन शब्दों ने प्रदेश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। सवाल यह है कि क्या हरीश रावत की राजनीतिक सक्रियता कांग्रेस को एकजुट कर रही है या उनके तौर-तरीके पार्टी के भीतर ही असहजता पैदा कर रहे हैं?

हरीश रावत की राजनीति में बयान, प्रतीक, यात्राएं और राजनीतिक संदेश हमेशा अहम रहे हैं। वह जनता के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के लिए अलग अंदाज अपनाते रहे हैं। लेकिन इस बार उनकी धन्यवाद एवं जनसंवाद यात्रा खुद उनके लिए राजनीतिक असहजता का कारण बन गई। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा ने यात्रा को लेकर आपत्ति जताई। पार्टी नेतृत्व की चिंता थी कि चुनाव से पहले व्यक्तिगत कार्यक्रमों के बजाय सभी नेताओं को संगठन के साझा मंच से काम

करना चाहिए। इसके बावजूद रावत पांच अक्टूबर को जसपुर से हल्द्वानी तक यात्रा लेकर आगे बढ़े। बाद में हाईकमान के सख्त रुख के बीच उन्होंने अपनी प्रस्तावित

◆उमेश कुमार ने झमेबाज और नौटंकीबाज कहकर बोला हमला
◆कांग्रेस हाईकमान की नाराजगी के बाद धन्यवाद यात्राएं स्थगित
◆पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की राजनीतिक शैली पर छिड़ी बहस

नौ और यात्राएं स्थगित करने की घोषणा कर दी। इस पूरे घटनाक्रम ने उनकी राजनीतिक रणनीति को लेकर सवाल खड़े किए।

राजनीति में अपनी बात पर अड़े रहना नेतृत्व का गुण माना जा सकता है, लेकिन संगठनात्मक अनुशासन की भी अपनी अहमियत है। यदि कोई वरिष्ठ नेता पार्टी को जगाने के लिए यात्रा निकालता है, तो यह सवाल स्वाभाविक है कि उस अभियान पर पार्टी नेतृत्व को पहले विश्वास में क्यों नहीं लिया गया और यदि यात्रा का मकसद कांग्रेस को सक्रिय करना था, तो उसके लिए संगठन के साथ तालमेल बनाने में आखिर परेशानी कहाँ थी? रावत ने अपनी यात्रा का उद्देश्य कांग्रेस में नई ऊर्जा भरना

और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना बताया। उनका तर्क था कि लंबे समय से बड़े जनसंपर्क अभियान की जरूरत महसूस की जा रही थी। दूसरी तरफ पार्टी नेतृत्व का जोर साझा कार्यक्रमों पर रहा। इस टकराव में दोनों पक्षों के अपने तर्क हैं, लेकिन राजनीतिक नुकसान की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

इसी बीच विधायक उमेश कुमार ने हरीश रावत पर तीखा हमला बोलते हुए उनके लिए झमेबाज और नौटंकीबाज जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने रावत की राजनीतिक भूमिका और कांग्रेस में उनकी गतिविधियों पर सवाल उठाए। ये उमेश कुमार के राजनीतिक आरोप हैं, जिन्हें स्वतंत्र रूप से प्रमाणित तथ्य नहीं माना जा सकता। लेकिन इन आरोपों ने पहले से गरम राजनीतिक माहौल में नया विवाद जरूर जोड़ दिया है। यहां सवाल केवल तीखे शब्दों का नहीं है। राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप आम हैं, लेकिन जनता यह भी देखती है कि नेताओं के दावे और उनके कदम कितने मेल खाते हैं। राजनीतिक यात्राओं का मकसद जनता के सवाल उठाना है या पार्टी के भीतर अपनी ताकत का संदेश देना यह बहस अब रावत के ताजा घटनाक्रम के साथ फिर सामने है।

निजी अस्पताल सील करने पहुंची टीम का विरोध

चमोली(आरएनएस)। ग्वाड़ तल्ला स्थित एक निजी अस्पताल को सील करने पहुंची प्रशासनिक टीम को ग्रामीणों के भारी विरोध के बाद लौटना पड़ा। वहीं अस्पताल प्रबंधन ने गढ़वाल आयुक्त के 14 अक्तूबर तक प्रभावी स्थगन आदेश का पत्र प्रस्तुत किया।एक निजी अस्पताल प्राधिकरण के मानकों के विपरीत आवासीय भवन में संचालित हो रहा था। ऐसे में क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण के आदेश पर तहसील प्रशासन पुलिस बल के साथ कार्रवाई करने पहुंचा। सीलिंग की कार्रवाई के दौरान यूकेडी प्रदेश युवा अध्यक्ष आशीष नेगी और करीब 15० ग्रामीण अस्पताल के समर्थन में उतर आए। उन्होंने अधिकारियों को अंदर जाने से रोका। स्यूंसाल गांव के गम्बर बिष्ट ने कहा कि चौथाण पट्टी के कई गांवों के लोग इसी अस्पताल में उपचार कराते हैं। अस्पताल नजदीक होने से मरीजों को तुरंत मदद मिलती है। उन्होंने चेतावनी दी कि अस्पताल बंद होने से गरीब व ग्रामीण परिवारों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। तहसीलदार हरीशचंद्र पांडे ने कहा कि अस्पताल के लिए व्यावसायिक भवन आवश्यक है जबकि यह आवासीय भवन में चल रहा था। अस्पताल को 22 सितंबर 2०26 के आदेश के तहत सात अक्तूबर को सील किया जाना था। अब विधिक राय लेने के बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा। वहीं अस्पताल प्रबंधक डॉ. मुदित ने बताया कि यह भवन वर्ष 1997 में बना है। प्रबंधन के अनुसार उनके पास भवन और अस्पताल से जुड़े सभी वैध दस्तावेज हैं।

भैंतलाखाल-गैरी ब्राह्मणों सड़क को डामरीकरण का इंतजार

नई टिहरी(आरएनएस)। प्रतापनगर के भैंतलाखाल– गैरी ब्राह्मणों की गांव के लिए सड़क बने एक दशक से अधिक समय हो चुका है लेकिन सड़क का डामरीकरण नहीं हो पाया है। सड़क पर बने गड्ढे ग्रामीणों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। वर्ष 2०16–2०17 में भैंतलाखाल–गैरी ब्राह्मणों के लिए लोक निर्माण विभाग ने करीब 3 किलोमीटर सड़क का निर्माण करवाया था। लेकिन 1० वर्ष बीत जाने के बाद सड़क का डामरीकरण और सुधारीकरण कार्य नहीं हो पाया है। गांव के पूर्व ग्राम प्रधान द्वारिका प्रसाद गैरोला, गुरु प्रसाद गैरोला आदि का कहना कि ग्रामीण लंबे समय से सड़क के डामरीकरण और सुधारीकरण की मांग कर रहे हैं।गैरी ब्राह्मणों की गांव के साथ क्षेत्र के कोरदी, देवीधार सहित कई अन्य गांवों के ग्रामीण इसी सड़क से आवाजाही करते हैं। ग्रामीणों की ओर से लोनिवि के अधिकारियों से कई बार सड़क के डामरीकरण की गुहार लगाई है। सड़क बने लंबा समय हो चुका हैं लेकिन विभाग इस ओर ध्यान को तैयार ही नहीं है। उन्होंने लोनिवि से शीघ्र सड़क डामरीकरण करने की मांग की है।

विधायक ने महिलाओं से संवाद कर योजनाओं की जानकारी दी

ऋषिकेश(आरएनएस)। सेवा संकल्प अभियान के तहत ऋषिकेश विधानसभा के खैरी खुर्द स्थित पांडे प्लॉट आंगनबाड़ी केंद्र में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं से यह भी जाना कि उन्हें इन योजनाओं का लाभ नियमित रूप से मिल रहा है अथवा नहीं। विधायक ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लाभार्थियों से योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

अलकनंदा के कटाव से पांडुकेश्वर के निचले क्षेत्र में खतरा

चमोली(आरएनएस)। पांडुकेश्वर के निचले क्षेत्र में अलकनंदा नदी से हो रहे भू–कटाव को रोकने के लिए ग्रामीणों ने बाढ़ सुरक्षा कार्य कराने की मांग उठाई है। ग्रामीणों का कहना है कि नदी का जलस्तर बढ़ने पर कटाव तेज हो जाता है जिससे गांव के निचले हिस्से को खतरा बना हुआ है। वर्ष 2०13 की आपदा के दौरान पांडुकेश्वर से गोविंदघाट तक अलकनंदा में आई बाढ़ से कई स्थानों पर तटबंध क्षतिग्रस्त हो गए थे। गोविंदघाट में गुरुद्वारे की धर्मशालाओं के साथ ही पार्किंग को भी नुकसान पहुंचा था। आपदा के बाद शासन की ओर से कुछ स्थानों पर बाढ़ सुरक्षा कार्य कराए गए लेकिन ग्रामीणों के अनुसार अधिकांश स्थानों पर कार्य अधूरे छोड़ दिए गए। धीरज मेहता, अजय और जयदीप आदि ने बताया कि पांडुकेश्वर बदरीनाथ धाम का शीतकालीन गद्दीस्थल भी है। शीतकाल में भी यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में ऐतिहासिक गांव के संरक्षण के लिए निचले हिस्से में चारों ओर बाढ़ सुरक्षा कार्य कराया जाना जरूरी है। इससे अलकनंदा के कटाव को रोका जा सकेगा और गांव को संभावित नुकसान से बचाया जा सकेगा। इधर, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी ने बताया कि पांडुकेश्वर में नदी से हो रहे कटाव की स्थिति को दिखवाया जाएगा।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

नवरात्रि में करेगी भाजपा चुनावी ‘शंखनाद’

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। शुभ नवरात्रि के पावन अवसर

पर भाजपा उत्तराखंड में 2०27 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को औपचारिक रूप से रफ्तार देने जा रही है। पार्टी अपनी महत्वपूर्ण पूर्णकालिक विधानसभा विस्तार योजना का शुभारंभ कर चुनावी अभियान की आधारभूमि तैयार करेगी। योजना के जरिए पार्टी का फोकस केवल चुनावी प्रचार तक सीमित रहने के बजाय विधानसभा स्तर पर संगठन की पकड़ मजबूत करने, बूथ नेटवर्क को सक्रिय करने और मतदाताओं के बीच लगातार संपर्क बढ़ाने पर रहेगा। भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी नेतृत्व की कोशिश है कि चुनावी वर्ष शुरू होने से पहले प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में संगठन की स्थिति, बूथवार नेटवर्क और स्थानीय राजनीतिक समीकरणों का आकलन कर लिया जाए। पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं की तैनाती इसी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जा रही है।

विधानसभा विस्तार योजना के तहत पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को विधानसभा क्षेत्रों में जिम्मेदारी देकर संगठन के कार्यक्रमों को जमीन तक पहुंचाने पर जोर रहेगा। यह कार्यकर्ता पार्टी और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय की कड़ी के रूप में काम करेंगे। साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों, युवाओं, महिलाओं, पूर्व सैनिकों और विभिन्न सामाजिक समूहों तक संपर्क बढ़ाने की रणनीति पर भी काम किया जाएगा। भाजपा की चुनावी रणनीति में बूथ प्रबंधन को सबसे अहम कड़ी माना जा रहा है। पार्टी पहले ही बूथ जीतो, चुनाव जीतो की रणनीति के तहत संगठन को मजबूत करने पर जोर देती रही है। ऐसे में विधानसभा



विस्तार योजना के जरिए बूथ समितियों की सक्रियता, पत्रा स्तर तक संपर्क और स्थानीय मुद्दों की पहचान को भी गति मिलने की उम्मीद है।

2०27 के चुनाव में भाजपा नेतृत्व ने 6० पार का लक्ष्य सामने रखा है। 7० सदस्यीय विधानसभा में इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पार्टी को पिछली चुनावी सफलता को दोहराने के साथ–साथ उन सीटों पर भी सेंध लगानी होगी, जहां मुकाबला अपेक्षाकृत चुनौतीपूर्ण माना जाता है। विधानसभा विस्तार योजना को इसी व्यापक लक्ष्य की जमीनी तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी का जोर उन क्षेत्रों में संगठनात्मक कमियों को दूर करने पर भी रहेगा, जहां पिछले चुनाव में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं हुआ था। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर नाराजगी, क्षेत्रीय मुद्दे और मतदाताओं की अपेक्षाओं का फीडबैक संगठन तक पहुंचाने की व्यवस्था भी महत्वपूर्ण होगी।

नवरात्रि के शुभ अवसर पर योजना की शुरुआत का राजनीतिक संदेश भी महत्वपूर्ण है। भाजपा चुनावी तैयारियों को शुभ मुहूर्त से जोड़ते हुए संगठन को धीरे–

संस्कृत नाटक में मारवाड़ कन्या पाठशाला प्रथम

हरिद्वार(आरएनएस)। उत्तराखंड संस्कृत संस्थान की ओर से आयोजित 18वें संस्कृत महोत्सव के तहत जनपद स्तरीय संस्कृत स्पर्धा के पहले दिन कनिष्ठ वर्ग की विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए। संस्कृत नाटक में मारवाड़ कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज रुड़की ने प्रथम, आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज रुड़की ने द्वितीय और जगत देव सिंह संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय हरिद्वार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

संस्कृत समूहनृत्य में आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज रुड़की प्रथम, आचार्यकुलम पतंजलि योगपीठ हरिद्वार द्वितीय और स्वामी शम्भूदेव संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय खड़खड़ी तृतीय रहा। संस्कृत समूहगान में पतंजलि गुरुकुलम् रुड़की ने पहला, आचार्यकुलम पतंजलि योगपीठ ने दूसरा और डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल हरिद्वार ने तीसरा स्थान हासिल किया।संस्कृत वाद–विवाद में आचार्यकुलम पतंजलि योगपीठ के शौर्यराज और गौरिका प्रथम, श्री जगदुरु श्री चन्द्र संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय के रश्मि और नव्या द्वितीय तथा आर्य कन्या पाठशाला रुड़की की आरुषि और अनुकृति तृतीय रहीं।

संस्कृत आशुभाषण में जगत देव सिंह संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय के अथर्व ढौंडियाल प्रथम, श्री जगदुरु श्री चन्द्र संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय के अक्षित बडोनी द्वितीय और आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज रुड़की की प्राची तृतीय रहीं। संस्कृत श्लोकोच्चारण में आचार्यकुलम पतंजलि योगपीठ की सोनाक्षी प्रथम, श्री जगदुरु श्री चन्द्र संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय के अनिरुद्ध बहुखंडी द्वितीय और आरएनआई इंटर कॉलेज भगवानपुर की तनिष्का शर्मा तृतीय रहीं।

उत्तराखंड संस्कृत संस्थान के प्रेक्षागृह में आयोजित उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता मुख्य शिक्षा अधिकारी अमित कुमार चंद ने की। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा संस्कृति की जननी है और जीवन में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। संस्थान के सचिव प्रो. विनय विद्यालंकार ने कहा कि प्रतियोगिताओं में कम उम्र में विद्यार्थियों की भागीदारी उत्साहजनक है। संस्कृत शिक्षा निदेशालय के उपनिदेशक डॉ. वाजश्रवा आर्य ने विचार रखे।

इस अवसर पर डॉ. हरीश चंद्र गुरुरानी, डॉ. केशव दत्त बलियानी, जनपद संयोजक डॉ. विजय कुमार त्यागी, डॉ. नवीन चंद्र पंत, डॉ. हरीश तिवारी, डॉ. कंचन तिवारी,

धीरे पूरी तरह चुनावी मोड़ में ले जाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रदेश नेतृत्व से लेकर विधानसभा और बूथ स्तर तक जिम्मेदारियां तय कर कार्यकर्ताओं को लक्ष्य आधारित काम सौंपे जाने की तैयारी है। हालांकि चुनाव में अभी समय है, लेकिन भाजपा की रणनीति स्पष्ट है कि अंतिम समय में संगठन को सक्रिय करने के बजाय लंबे समय तक लगातार क्षेत्र में मौजूद रहकर चुनावी आधार तैयार किया जाए। इसके लिए संगठनात्मक विस्तार, जनसंपर्क और सरकार के कामकाज को मतदाताओं तक पहुंचाने की कवायद समानांतर चलने वाली है।

भाजपा के सामने संगठन को मजबूत करने के साथ सरकार के खिलाफ संभावित नाराजगी को लेकर भी चुनौती रहेगी। बेरोजगारी, महंगाई, पलायन, ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाएं और स्थानीय स्तर की शिकायतें विपक्ष के प्रमुख मुद्दे बन सकते हैं। ऐसे में विधानसभा विस्तार योजना के जरिए पार्टी केवल अपने संगठन को मजबूत करेगी या जनता के बीच मौजूद असंतोष का फीडबैक लेकर सरकार तक भी पहुंचाएगी, यह चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा होगा। दूसरी ओर कांग्रेस समेत विपक्षी दल भाजपा के लगातार सत्ता में बने रहने को चुनौती देने की तैयारी में हैं। ऐसे में 2०27 का चुनाव केवल सरकार के कामकाज का जनादेश नहीं होगा, बल्कि संगठनात्मक ताकत, स्थानीय समीकरण और मतदाताओं के बीच सीधी पहुंच की भी परीक्षा होगा। नवरात्रि में भाजपा का यह शंखनाद इसलिए महत्वपूर्ण है कि पार्टी 2०27 के चुनाव को अब दूर की राजनीतिक संभावना के बजाय संगठनात्मक स्तर पर शुरू हो चुका अभियान मानकर आगे बढ़ रही है। विधानसभा विस्तार योजना इसकी पहली बड़ी कड़ी है।

डॉ. द्विजेंद्र शर्मा, दीपमाला शर्मा, डॉ. दामोदर परंगई, डॉ. रवींद्र आर्य, डॉ. अरविंद नारायण मिश्र, आशीष बजाज, डॉ. योगेश शास्त्री आदि मौजूद थे।

डॉ. द्विजेंद्र शर्मा, दीपमाला शर्मा, डॉ. दामोदर परंगई, डॉ. रवींद्र आर्य, डॉ. अरविंद नारायण मिश्र, आशीष बजाज, डॉ. योगेश शास्त्री आदि मौजूद थे।

नामिका निरीक्षण टीम ने परखी शैक्षणिक व्यवस्था

नई टिहरी(आरएनएस)। थौलधार ब्लॉक के जीआईसी कटखेत में दो दिवसीय नामिका निरीक्षण किया गया। निरीक्षण टीम ने स्कूल की शैक्षणिक गतिविधि, स्वच्छता, अभिलेखों का रखरखाव और छात्रों की अन्य गतिविधियों का अवलोकन किया। पैनल अधीक्षक डॉ. सुशील कोटनाला, प्रवक्ता वीरेंद्र सिंह कंडवाल, देवेंद्र सिंह बर्तवाल और अभिलेख निरीक्षक सोहन सिंह राणा शामिल थे। निरीक्षण दल ने कॉलेज की सभी शैक्षणिक, सह शैक्षणिक और अभिलेखीय कार्यों का गहनता से अवलोकन किया।

प्रभारी प्रधानाचार्य जितेंद्र बिष्ट ने कहा कि नामिका निरीक्षण दल के सदस्यों का सकारात्मक मार्गदर्शन और बहुमूल्य सुझावों से निश्चित ही छात्रों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। इस मौके पर एसएमसी अध्यक्ष पार्वती देवी और पीटीए अध्यक्ष सोभन दास आदि मौजूद थे।

कनिष्ठ वर्ग की संस्कृत प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

अल्मोड़ा(आरएनएस)। उत्तराखंड संस्कृत संस्थान की ओर से संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए आयोजित जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं के तहत एडम्स गर्ल्स इंटर कॉलेज में कनिष्ठ वर्ग की विभिन्न संस्कृत स्पर्धाएं हुईं। नाटक, समूहगान, समूहनृत्य, वाद-विवाद, आशुभाषण और श्लोकोच्चारण प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ग्रीन हिल्स ट्रस्ट की अध्यक्ष वसुधा पंत और विद्यालय की प्रधानाचार्य एमएस सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। संस्कार भारती विद्यापीठ मानिला के विद्यार्थियों ने वेदमंत्रों का उच्चारण किया, जबकि एडम्स कॉलेज की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। वसुधा पंत ने कहा कि संस्कृत देश की समृद्ध सांस्कृतिक और भाषायी विरासत की आधारभूत भाषा है। युवा पीढ़ी को संस्कृत से जोड़ने में इस तरह की प्रतियोगिताएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। एमएस सिंह ने भी विद्यालयों में विद्यार्थियों की संस्कृत के प्रति रुचि बढ़ाने में प्रतियोगिताओं को उपयोगी बताया। जनपद संयोजक डॉ. दीपा गुप्ता ने बताया कि कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी 23 और 24 अक्टूबर को हरिद्वार में होने वाले राज्यस्तरीय संस्कृत समारोह में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। वाद-विवाद में राहुल कांडपाल और प्रियांशु जोशी, आशुभाषण में लक्ष्य, श्लोकोच्चारण में योगेश बलौदी तथा नाटक में श्री शक्तिपीठाश्रम संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मल्ली मानिला, सल्ट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आशुभाषण में लक्ष्य संस्कार भारती संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झीपा, सल्ट से हैं। कार्यक्रम में सहायक निदेशक संस्कृत प्रेम प्रकाश, संस्कृत विद्वान प्रकाश जांगी, जनपद सहसंयोजक डॉ. ललित मोहन तिवारी, रागिनी मैसी, नितिन कुमार, दीप चंद पांडेय, डॉ. पवनेश ठकुराठी, पंकज मैसी, यामिनी कांडपाल, नवीन जोशी, सुशील चंद तिवारी सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, शिक्षक और संस्कृत प्रेमी मौजूद रहे।

लोकनृत्य में जीआईसी आली प्रथम

चमोली(आरएनएस)। जीआईसी पोखरी में राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा प्रोजेक्ट 2०26 के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के लोकनृत्य में जीआईसी आली प्रथम, जीजीआईसी पोखरी द्वितीय, राउप्रावि सौड़ांगरा तृतीय रहा। रोल प्ले में राउमावि क्रींठी प्रथम, जीआईसी रडुवा द्वितीय व जीआईसी पोखरी तृतीय रहा। पोस्टर में राउप्रावि सौड़ांगरा प्रथम, राइंका पोखरी द्वितीय व राइंका रडुवा तृतीय रहा। समूह चर्चा में राइंका पोखरी, राउमावि क्रींठी और राइंका पोखरी क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहा।

विशेषज्ञ शिविरों में 359 मरीजों की हुई स्वास्थ्य जांच

रुद्रपुर(आरएनएस)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के काशीपुर स्थित उपकेंद्र मानपुर और सितारगंज के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मैनाझुंडी में विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। दोनों शिविरों में कुल 359 मरीजों की जांच की गई, जबकि 17० लोगों की गैर-संचारी रोग (एनसीडी) स्क्रीनिंग की गई। मानपुर में आयोजित शिविर में 2०6 मरीजों की जांच हुई। इनमें 98 पुरुष और 1०8 महिलाएं शामिल थीं। फिजिशियन ने 41, अस्थि रोग विशेषज्ञ ने 1०, ईएनटी ने 28, नेत्र रोग विशेषज्ञ ने 14, स्त्री रोग विशेषज्ञ ने छह और बाल रोग विशेषज्ञ ने 17 मरीजों की जांच की। यहां 9० लोगों की एनसीडी स्क्रीनिंग भी की गई। वहीं, सितारगंज के पीएचसी मैनाझुंडी में 153 मरीजों की जांच हुई। इनमें अस्थि रोग के 14, ईएनटी के 1०, नेत्र रोग के 13 और स्त्री रोग के 16 मरीज शामिल रहे। शिविर में 8० लोगों की एनसीडी स्क्रीनिंग, चार एएनसी जांच और 11 लोगों का टीकाकरण किया गया। पांच आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। दोनों शिविरों में मरीजों को आवश्यक दवाइयां निःशुल्क वितरित की गईं। सीएमओ डॉ. एसके गोस्वामी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को उनके आसपास जिला अस्पताल जैसी विशेषज्ञ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

कुंभ क्षेत्र में बाहरी लोगों के सत्यापन में तेजी लाने के निर्देश

हरिद्वार(आरएनएस)। कुंभ मेला-2०27 की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस ने कुंभ क्षेत्र में बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए हैं। सीसीआर हरिद्वार स्थित सभागार में कुंभ मेला पुलिस और अभिसूचना विभाग की सत्यापन कार्रवाई की समीक्षा करते हुए एसएसपी कुंभ आयुष अग्रवाल ने अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रतिदिन अधिक से अधिक लोगों का सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसएसपी ने कहा कि कुंभ क्षेत्र में बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन संवेदनशील कार्य है। सत्यापन के दौरान निर्धारित प्रपत्र पर संबंधित व्यक्ति का फोटो चस्पा करने के साथ प्रत्येक बिंदु को सावधानीपूर्वक पूरा भरा जाए। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यापन प्रक्रिया में पूरी संवेदनशीलता और सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। ठक में सत्यापन कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर कुंभ मेला के मंडलाधिकारी संतोष बगडवाल, निरीक्षक एसआईओ कुंभ मेला संजय सिंह, निरीक्षक एलआईयू हरिद्वार विवेक सनवाल, निरीक्षक एलआईयू हरिद्वार राजेंद्र रावत समेत कुंभ मेला क्षेत्र में सत्यापन के लिए नियुक्त अभिसूचना विभाग के अधिकारी और सत्यापन टीम के सदस्य मौजूद रहे।

टिहरी पुलिस का साइबर सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान लगातार जारी

संवाददाता

टिहरी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल, श्रीमती श्वेता चौबे के निर्देशन में टिहरी गढ़वाल पुलिस का साइबर सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान लगातार जारी है।

आज यहाराष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के अंतर्गत “साइबर जागरूक उत्तराखंड सुरक्षित डिजिटल उत्तराखंड” थीम के तहत जनपद टिहरी गढ़वाल पुलिस द्वारा आमजन को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल श्रीमती श्वेता चौबे के निर्देशन में इसी क्रम में कोतवाली नरेंद्रनगर पुलिस द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज पोखरी क्वीली एवं राजकीय इंटर कॉलेज डाबरखाल में पहुंचकर छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जागरूक किया गया। वहीं पुलिस चौकी गजा द्वारा ग्राम दुआकोटी में साइबर जागरूकता चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस द्वारा साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी देते हुए बैंक फ्रॉड, फर्जी कॉल, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया फ्रॉड एवं व्हट्सएप, फेसबुक, इस्टाग्राम आदि के



सुरक्षित उपयोग के संबंध में जागरूक किया गया। किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, एटीएम, डेबिट कार्ड की जानकारी, चूछ, पासवर्ड अथवा बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करें। एपीके फाइल अथवा किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा भेजे गए मैसेज पर क्लिक न करें। सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी, फोटो एवं अन्य संवेदनशील विवरण साझा करते समय सावधानी बरतें तथा अनजान फ्रेंड रिक्वेस्ट/मैसेज से सतर्क रहें।

किसी भी फ्रॉड कॉल, मैसेज या ऑनलाइन ऑफर के बहकावे में न आएँ और बिना सत्यापन के कोई ऑनलाइन लेन-देन न करें। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर घबराएं नहीं तथा तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर

1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। साइबर अपराध के प्रति जागरूकता का संदेश अपने मित्रों, परिजनों, रिश्तेदारों एवं ग्रामवासियों तक भी पहुंचाएं। पुलिस द्वारा छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों को साइबर अपराध से बचाव के साथ-साथ नशे के दुष्प्रभावों एवं मादक पदार्थों से दूर रहने के संबंध में भी जागरूक किया गया तथा स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

टिहरी पुलिस आमजन से अपील करती है कि डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय सतर्कता एवं सावधानी बरतें। साइबर अपराधी लगातार ठगी के नए-नए तरीके अपना रहे हैं, इसलिए जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है।

पुलिस ने खोजकर बैग लौटाया, पर्यटकों ने व्यक्त किया आभार

संवाददाता

टिहरी। पुलिस ने पर्यटक व श्रद्धालुओं के खोये हुए बैग को उसके सही मालिक तक पहुंचाया जिससे पर्यटकों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया।

आज यहां चारधाम यात्रा एवं पर्यटन सीजन के दौरान टिहरी पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सहायता के लिए तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में कोतवाली कीर्तिनगर एवं थाना मुनिकीरेती पुलिस द्वारा अलग-अलग मामलों में खोए हुए बैग बरामद कर उनके स्वामियों

को सकुशल सुपुर्द किए गए। कीर्तिनगर क्षेत्र में महाराष्ट्र निवासी श्रद्धालु का बैग पीपलडाली एवं मलेथा के बीच यात्रा के दौरान कहीं छूट गया था। बैग में कपड़ों के साथ लगभग 13,000-14,000 की नगदी एवं अन्य जरूरी सामान रखा हुआ था। सूचना प्राप्त होने पर पुलिस द्वारा सघन खोजबीन एवं आवश्यक प्रयास किए गए, जिसके फलस्वरूप बैग बरामद कर आवश्यक सत्यापन के बाद उसकी स्वामिनी को सकुशल सुपुर्द किया गया। इसी प्रकार मुनिकीरेती क्षेत्र में भोपाल निवासी पर्यटक का बैग राफ्टिंग के दौरान

खो गया था। बैग में क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, घड़ी, चश्मा एवं महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे हुए थे। सूचना पर मुनिकीरेती पुलिस द्वारा आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने एवं राफ्टिंग ग्रुप से जानकारी जुटाने के बाद बैग को सकुशल बरामद कर उसके स्वामी को सुपुर्द किया गया। दोनों मामलों में खोया हुआ सामान वापस मिलने पर श्रद्धालु एवं पर्यटक काफी प्रसन्न हुए तथा उन्होंने टिहरी पुलिस की तत्परता, ईमानदारी एवं संवेदनशीलता की सराहना करते हुए पुलिस का आभार व्यक्त किया।

शब्द सामर्थ्य -049												
(भागवत साहू)												
बाएं से दाएं						17. चौकसी, सावधानी, बचाव						
1. समाप्ति, खात्मा	3. रोगी, बीमार	5. गंभीरता, गहराई	6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ	9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द	10. लक्ष्मी, कमला	11. औषधालय	13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र	14. सतह, 'लेवल'	15. बिजली, तड़ित	19. कहने वाला, वाचनकर्ता	20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया	21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।
ऊपर से नीचे						ऊपर से नीचे						
1. शरीर का कोई भाग, शरीर						1. शरीर का कोई भाग, शरीर						
2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल						2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल						
3. वोट देने का हक						3. वोट देने का हक						
4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर						4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर						
1	2		3		4							
5					6		7	8				
				9				10				
						11	12					
13						14						
							15			16		
			17		18							
19										20		
			21									

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 48 का हल												
वा	स्ता				सि	स	की					
जि		ल	प	ट			मा	चि	स			
ब	द	ला			क			ल				
				ट		नी	ल	क	म	ल		
ता	ली			का		की				हू		
क		स	रो	का	र					लु		
झां		ज	बा	न		म	सी	हा				
क	च	ना	र		भा	र्या			न			
	र्म				ज	र	दा					



राजकुमार राव बने कसाब को फांसी दिलाने वाले वकील!

अभिनेता राजकुमार राव की बहुप्रतीक्षित फिल्म प्रहार-द उज्ज्वल निकम स्टोरी का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी यह फिल्म प्रसिद्ध अधिवक्ता उज्ज्वल निकम के जीवन और 26 नवंबर 2००8 को मुंबई में हुए आतंकी हमलों के बाद चले महत्वपूर्ण कानूनी मुकदमे पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन अविनाश अरुण ने किया है। फिल्म में राजकुमार राव ने उज्ज्वल निकम की भूमिका निभाई है। उज्ज्वल निकम ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस मुकदमे में हमले के एकमात्र जीवित पकड़े गए आरोपी अजमल कसाब को वर्ष 2०1० में दोषी ठहराया गया था और बाद में उसे मृत्युदंड दिया गया था। प्रहार का ट्रेलर 26/11 आतंकी हमलों की भयावह घटनाओं की याद दिलाता है। हालांकि फिल्म का केंद्र केवल हमले की घटनाएं नहीं हैं, बल्कि इसके बाद अदालत में चली कानूनी प्रक्रिया और मुकदमे के दौरान पेश किए गए साक्ष्यों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। ट्रेलर में अदालत के भीतर होने वाली बहस, तथ्यों और सबूतों के आधार पर मामले को मजबूत करने की कोशिश तथा अभियोजन पक्ष के सामने मौजूद कानूनी चुनौतियों की झलक दिखाई गई है। फिल्म को पारंपरिक मारधाड़ वाली एक्शन फिल्म के बजाय एक गंभीर कानूनी और जीवनीपरक नाटक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। मुंबई आतंकी हमले के बाद अजमल कसाब के खिलाफ चला मुकदमा देश के चर्चित आपराधिक मुकदमों में शामिल रहा है। फिल्म इसी मामले की कानूनी लड़ाई को उज्ज्वल निकम के दृष्टिकोण से पर्दे पर पेश करने का प्रयास करती है। फिल्म में राजकुमार राव के अलावा जयदीप अहलावत, वामिका गब्बी और सिकंदर खेर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म 16 अक्टूबर, 2०26 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

ओटीटी पर भी छाई रवि तेजा की इरुमुडी, गैर-अंग्रेजी फिल्मों में बनी नंबर-1

मास महाराजा के नाम से मशहूर अभिनेता रवि तेजा की ब्लॉकबस्टर एक्शन-ड्रामा फिल्म इरुमुडी ने सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन के बाद अब ओटीटी मंच पर भी अपनी धाक जमा दी है। शिवा निर्वाणा के निर्देशन में बनी यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित होते ही दुनियाभर में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली गैर-अंग्रेजी फिल्मों की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गई है।

नेटफ्लिक्स के 21 से 27 सितंबर 2०26 के वैश्विक शीर्ष-1० आंकड़ों के अनुसार, इरुमुडी को महज सात दिनों में 34 लाख बार देखा गया। इस प्रदर्शन के साथ फिल्म ने गैर-अंग्रेजी फिल्मों की श्रेणी में दुनिया भर में पहला स्थान हासिल किया है। फिल्म की कहानी पिता और बेटी के मजबूत रिश्ते के इर्द-गिर्द बुनी गई है। रवि तेजा के दमदार अभिनय और भावनात्मक प्रस्तुति को दर्शकों की ओर से पसंद किया जा रहा है।

इरुमुडी और ऋषिकांत की तमिल फिल्म मोधा राथिर के बीच सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर भी मुकाबला देखने को मिला। दोनों फिल्में 18 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर एक साथ प्रदर्शित हुई थीं। वैश्विक गैर-अंग्रेजी फिल्म सूची में इरुमुडी जहां 34 लाख दर्शकों के साथ पहले स्थान पर रही, वहीं मोधा राथिर 29 लाख बार देखे जाने के साथ दूसरे स्थान पर रही।

इस सूची में सूर्या की फिल्म विश्वनाथ एंड संस पांचवें स्थान पर रही। वहीं हिंदी फिल्मों लस्ट स्टोरीज 3, बेबी डू डाई डू और गांधारी ने क्रमशः छठा, सातवां और नौवां स्थान हासिल किया। इससे पिछले सप्ताह विश्वनाथ एंड संस 58 लाख दर्शकों के साथ पहले स्थान पर थी, जबकि इरुमुडी तीसरे और मोधा राथिर सातवें स्थान पर रही थीं।

फिल्म की कहानी एक शराबी पिता के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अययप्पा दीक्षा लेता है। इसी दौरान उसे अपने गांव में बच्चों के यौन शोषण की भयावह सच्चाई का पता चलता है। इसके बाद कहानी पारिवारिक भावनाओं और सामाजिक सच्चाई के बीच आगे बढ़ती है। मैत्री मूवी मेकर्स के निर्माण और टी-सीरीज के बैनर तले बनी इरुमुडी में रवि तेजा के साथ प्रिया भवानी शंकर, साई कुमार और नक्षत्र प्रमुख भूमिकाओं में हैं। करीब 5० करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 244.97 करोड़ रुपये की कमाई करने का दावा किया है। सिनेमाघरों में सफलता के बाद ओटीटी पर भी पहले स्थान पर पहुंचना फिल्म की लोकप्रियता को दर्शाता है।

चुंबक में महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स नहीं हैं : संदीपा धर

दीपा धर ने हाल ही में बताया कि उन्हें चुंबक का हिस्सा बनने के लिए क्या चीज आकर्षित कर रही थी। एक्ट्रेस के मुताबिक, शो में महिलाओं को जिस तरह से पेश किया गया है, वह इसकी खासियतों में से एक है। उनके लिए यह सीरीज कॉमेडी के उस आम फॉर्मेट से अलग है, जहां अक्सर पुरुष किरदारों को ज्यादातर कॉमिक मोमेंट्स मिलते हैं, जबकि महिलाओं को सिर्फ सपोर्टिंग रोल्स तक सीमित रखा जाता है।

शो को चुनने के अपने फैसले के बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, मैं इस शो को लेकर इसलिए उत्साहित थी क्योंकि इसमें महिलाओं को स्टिरियो टाइपिकल तरीके से नहीं दिखाया गया है। आमतौर पर कॉमेडी में पुरुषों के पास सारे कॉमिक पार्ट्स होते हैं, जबकि महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स होती हैं। लेकिन यहां ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने हेली शाह द्वारा निभाए गए ट्विंकल के किरदार का उदाहरण देते हुए शो के महिला किरदारों को लेकर किए गए इस अलग नजरिए की तारीफ की।

संदीपा ने कहा, यहां हमारे पास ट्विंकल (हेली शाह) है, जिनकी कॉमेडी शो में सबसे अक्ल है। इसके अलावा एक्ट्रेस ने पारंपरिक जेंडर रोल्स से हटकर किरदारों को पेश करने के लिए किए गए प्रयास की भी सराहना की है। उन्होंने कहा, हम महिलाओं को सिर्फ बैठकर खाना बनाते या पुरुषों को खाना परोसते हुए नहीं दिखा रहे हैं। दरअसल, आतिश ने यह बहुत सोच-समझकर किया है।

उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि हम पारंपरिक जेंडर रोल्स को फॉलो न करें।



संदीपा के लिए स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही इसकी राइटिंग सबसे अलग और खास लगी थी। उन्होंने आगे कहा, जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ रही थी, तभी मुझे लगा कि किसी को महिलाओं के किरदारों को इस तरह लिखते देखना वाकई काफी रिफ्रेशिंग है।

महिला किरदारों को सिर्फ पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित रखने के बजाय उन्हें कहानी में सक्रिय और कॉमिक स्पेस देने के साथ, चुंबक ने संदीपा को कॉमेडी का एक अलग नजरिया दिया, जो उन्हें पहली रीडिंग से ही काफी रिफ्रेशिंग लगा।

बिग बॉस 2० से बाहर आते ही इमोशनल हुई ईशा रिखी!



अभिनेत्री ईशा रिखी बिग बॉस -2० के घर से बाहर आ गई हैं। अभिनेत्री ने अपने फैस और सपोर्टर्स का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने घर के अंदर बिताए अपने समय को याद किया और बताया कि यह सफर कई तरह के इमोशन से भरा रहा, जिसमें कई बार उन्हें अपनी भावनाएं व्यक्त करने में भी दिक्कत हुई। ईशा रिखी ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें

उन्होंने उन लोगों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने इस मुश्किल और चुनौती भरे सफर में उनका साथ दिया। अभिनेत्री ने लिखा, बिग बॉस के घर में तीन हफ्ते, इतने सारे इमोशन्स, अनुभव, चुनौतियों, हंसी, आंसुओं और यादों से भरे हफ्ते, जिन्हें मैं हमेशा याद रखूंगी। अभिनेत्री ने फैस का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, वापस आकर मुझे एहसास हुआ कि आपका प्यार

और सपोर्ट मेरे लिए कितना मायने रखता है। उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने मेरा साथ दिया, मुझ पर भरोसा किया, मेरे लिए तालियां बजाई और उन लोगों का भी शुक्रिया जिन्होंने मुझे सपोर्ट नहीं किया।

अभिनेत्री ने आगे लिखा, मैं हर राय, मैसेज और इंसान की आभारी हूँ जो किसी भी तरह से इस सफर का हिस्सा बना। पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए आसान नहीं थे, मेरे इमोशनल ब्रेकडाउन हुए, ऐसे पल आए जब मैं खुद को ठीक से एक्सप्रेस नहीं कर पाई और ऐसे पल भी आए, जहां मैं वैसी नहीं दिख पाई जैसी मैं दिखना चाहती थी। मुझे पता है कि मैंने आप में से कुछ लोगों को निराश किया होगा और अगर ऐसा हुआ है, तो मैं दिल से माफी मांगती हूँ।

ईशा रिखी का कहना है कि बिग बॉस के कई सारे अनुभवों को एक सीख के तौर पर लिया है। अभिनेत्री ने लिखा, मैं अभी भी सब कुछ समझने की कोशिश कर रही हूँ, खुद को बेहतर समझ रही हूँ और इस पूरे अनुभव को एक सीख के तौर पर ले रही हूँ। एक बात जो मैं आप सभी को बताना चाहती हूँ, वो ये है कि मैंने आपका प्यार महसूस किया, तब भी जब मैं खुद ज्यादा कुछ कह नहीं पाई और मेरे लिए इसका मतलब शब्दों से कहीं ज्यादा है। मेरे साथ खड़े रहने के लिए, मुझे समझने के लिए और मुझे लगातार सपोर्ट करने के लिए शुक्रिया। मैं दिल से आप सभी की आभारी हूँ।



संगठन विस्तार और युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने पर एनसीपी यूथ का जोर

हमारे संवाददाता

हरिद्वार/देहरादून। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) यूथ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज शर्मा के दिशा-निर्देशन में उत्तराखंड में संगठन को मजबूत करने एवं युवाओं को पार्टी से जोड़ने के अभियान को गति दी जा रही है। इसी क्रम में उत्तराखंड राज्य को-ऑर्डिनेटर एवं राष्ट्रीय सचिव सौरभ आहूजा हरिद्वार स्थित प्रेस क्लब में युवा साथियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक में पहुंचे एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति में विचार-विमर्श किया।

बैठक में 'हरिद्वार एवं बहादुराबाद क्षेत्र से विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े कई युवा साथियों' ने एनसीपी यूथ की विचारधारा एवं संगठन से जुड़ने को लेकर चर्चा की। इस दौरान पार्टी की आगामी रणनीति, संगठन विस्तार तथा युवाओं की राजनीतिक भागीदारी को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज शर्मा के निर्देशानुसार उत्तराखंड में संगठन को बूथ एवं जमीनी स्तर तक मजबूत करने तथा आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए सक्षम, ऊर्जावान एवं प्रबल युवा चेहरों को राजनीति में आगे लाने' पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर सौरभ आहूजा ने कहा कि उत्तराखंड के युवाओं में नेतृत्व की अपार क्षमता है। एनसीपी यूथ का उद्देश्य युवाओं को केवल संगठन से जोड़ना ही नहीं, बल्कि उन्हें राजनीतिक एवं सामाजिक नेतृत्व के लिए उचित मंच और अवसर प्रदान करना भी है। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों में पार्टी की ओर से मजबूत युवा नेतृत्व को प्राथमिकता दी जाएगी और संगठन को प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। आहूजा ने कहा कि उत्तराखंड में संगठन विस्तार के साथ-साथ युवाओं की भागीदारी बढ़ाना पार्टी की प्राथमिकताओं में शामिल है। बैठक के दौरान सौरभ आहूजा के पुराने साथी शिवम पांडे, अरविंद नेगी, अक्षय गोस्वामी, वीरेंद्र सहित अन्य युवा साथी उपस्थित रहे।

◆उत्तराखंड के युवाओं में है नेतृत्व की अपार क्षमता: आहुजा

सू- दोकू क्र.049									
	1			4			7		
		6	9		2				1
	7			6		8			2
1							8		
	8			5		2			3
3		2		4			1		
	3		2			4			
		8		1	6				7
9			4				2		
नियम		सू-दोकू क्र 48 का हल							
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।		3	9	6	8	2	5	4	7
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।		8	2	5	1	7	4	6	3
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।		7	1	4	6	9	3		2
		1	8	9	3	6	7	8	5
		2	6	7	5	4	8	1	9
		5	4	3	9	1	2	7	8
		6	7	2	4	3	9	5	1
		9	5	1	7	8	6	3	4
		4	3	8	2	5	1	9	6

‘फर्जी वोटरो’ के मोह में विरोध

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर चुनावी प्रक्रिया को लेकर लगातार सवाल खड़े कर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास का माहौल बनाने का आरोप लगाया है। भाजपा का कहना है कि चुनावी राजनीति में अपनी स्थिति मजबूत नहीं कर पाने के बाद कांग्रेस अब संवैधानिक संस्थाओं और निर्वाचन प्रक्रिया को कटघरे में खड़ा करने की रणनीति अपना रही है। भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने कांग्रेस के एसआईआर के विरोध को इसी राजनीतिक रणनीति से जोड़ते हुए कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसी संवैधानिक प्रक्रिया का विरोध केवल इसलिए नहीं किया जा सकता कि उससे राजनीतिक नुकसान की आशंका हो। पार्टी का तर्क है कि मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन रखना निष्पक्ष चुनाव की बुनियादी आवश्यकता है।

भाजपा नेताओं के अनुसार कांग्रेस को यदि मतदाता सूची में किसी नाम को लेकर आपत्ति है तो उसके लिए निर्धारित संवैधानिक और कानूनी प्रक्रिया मौजूद है। आपत्तियों और दावों को उचित मंच पर उठाने के बजाय सार्वजनिक तौर पर

निर्वाचन प्रक्रिया पर ही सवाल खड़े करना लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता के विश्वास को प्रभावित कर सकता है। उत्तराखंड में एसआईआर के बाद मतदाता सूची में हुए बदलावों को लेकर कांग्रेस लगातार सवाल उठा रही है। कांग्रेस का आरोप है कि बड़ी

संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर सवाल हैं। भाजपा इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे चुनावी राजनीति से प्रेरित बता रही है। भाजपा का कहना है कि यदि किसी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटा है तो विशेष अभियान और निर्धारित प्रक्रिया के तहत उसे जोड़ने का रास्ता खुला है। ऐसे में पूरी प्रक्रिया को ही संदिग्ध बताना उचित नहीं है।

भाजपा ने कांग्रेस से सवाल किया है

◆मतदाता सूची साफ करने की संवैधानिक कतायद पर है ऐतराज
◆हार पत्ती नहीं, तो निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया की सार पर लगा रहे दाग
◆जनता का भरोसा खोकर अब पूरी व्यवस्था पर दाग लगाने का खेल
◆देश की लोकतांत्रिक छवि को नुकसान पहुंचाने में जुटी कांग्रेस पार्टी

कि चुनावी प्रक्रिया में खामियां हैं तो वह उनके प्रमाण निर्वाचन आयोग के सामने क्यों नहीं रखती। पार्टी का कहना है कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए राजनीतिक दलों के बीच मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने से पहले ठोस तथ्यों को सामने रखना जरूरी है। वहीं कांग्रेस की ओर से एसआईआर को लेकर उठाए जा रहे सवालों का आधार मतदाता अधिकार और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना बताया जा रहा है। कांग्रेस का कहना है कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से नहीं हटना चाहिए और पुनरीक्षण प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

इस राजनीतिक टकराव ने उत्तराखंड में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले चुनावी प्रक्रिया को भी राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। भाजपा जहां कांग्रेस के विरोध को चुनावी हार की आशंका और राजनीतिक निराशा से जोड़ रही है, वहीं कांग्रेस इसे मतदाता अधिकारों की रक्षा का सवाल बता रही है। चुनावी मैदान में यह मुद्दा आने वाले दिनों में दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का नया मोर्चा बन सकता है।

पीएचडी प्रवेश में देरी पर गुस्साए छात्र, आंदोलन की चेतावनी

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि में पीएचडी प्रवेश परीक्षा का अंतिम परीक्षा परिणाम जारी होने के बावजूद अभी तक कई विभागों में चयनित छात्र-छात्राओं के प्रवेश की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। प्रवेश देने में हो रही देरी से छात्रों में आक्रोश पनप रहा है। छात्रों का कहना है कि परीक्षा परिणाम जारी हुए ढाई माह से अधिक समय बीत चुका है लेकिन पीएचडी में अभी तक प्रवेश नहीं हो पा रहे हैं।

गढ़वाल केंद्रीय विवि के बिड़ला, पौड़ी एवं टिहरी परिसर सहित संबद्ध कॉलेजों में पीएचडी में प्रवेश के लिए विवि ने कुछ समय पहले अंतिम परिणाम घोषित कर दिया था। सफल छात्रों की इस सूची के तहत 46 विषयों में करीब 2०7 छात्रों को प्रवेश दिए जाने हैं। विवि के छात्र संघ अध्यक्ष हिमांशु भंडारी का कहना है कि 12 जुलाई को प्रवेश परीक्षा हुई और जुलाई में ही परिणाम भी जारी हो गए थे। सफल छात्रों के विभागवार साक्षात्कार के बाद अंतिम परिणाम घोषित कर दिए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई छात्रों के परीक्षा परिणाम में गड़बड़ियां भी हुई हैं। उनके प्रमाणपत्रों की स्क्रूटनी सही तरीके से नहीं हुई है। इस कारण कई विभागों में अभी तक पीएचडी में प्रवेश की प्रक्रिया भी शुरू नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा यदि जल्द गड़बड़ियां ठीक नहीं हुईं और सभी विभागों में पीएचडी में प्रवेश संपन्न नहीं हुई तो आंदोलन करेंगे। वहीं पीएचडी प्रवेश परीक्षा के समन्वयक डॉ. प्रीतम सिंह नेगी का कहना है कि कई कारणों से पीएचडी की प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होने में समय लगा है। 12 अक्तूबर तक सभी विभागों को विवि प्रशासन की ओर से प्रवेश प्रक्रिया संपन्न कराने को कहा गया है।

सीएचसी तो बना, सुविधाएं पीएचसी से भी बदतर

नई टिहरी (आरएनएस)। थैलधार ब्लॉक के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए 2०12 में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उच्चीकरण कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कंडीसौड़ तो बना दिया गया लेकिन 14 साल बाद भी अस्पताल में विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं शुरू नहीं हो पाई हैं। थैलधार क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा की शुरुआत वर्ष 1957 में छाम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से हुई थी।

वर्ष 2००5 में टिहरी बांध की झील में छाम बाजार डूबने के बाद 2००6 में कंडीसौड़ में 2० नाली भूमि पर अस्पताल का निर्माण कराया गया। वर्ष 2०12 में इसका उच्चीकरण कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया गया। अस्पताल परिसर के विस्तार के साथ डॉक्टरों के आवास के लिए करोड़ों

रुपये की लागत से भवन भी तैयार किए गए, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार नहीं हो पाया। सीएचसी में डॉक्टरों के 1० पद सृजित हैं, लेकिन वर्तमान में 7 डॉक्टर ही कार्यरत हैं।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी का सीधा असर अस्पताल की ओपीडी पर भी दिखाई दे रहा है। यहां रोजाना ओपीडी 45 से 5० मरीजों के आसपास ही सीमित रहती है। वर्ष 2०22 में विधायक निधि से दंत चिकित्सा के लिए लाखों रुपये की डेंटल चेयर और अन्य उपकरण खरीदे गए थे। दंत रोग डॉक्टर नहीं होने के कारण इनका उपयोग नहीं हो पा रहा है। वहीं खनिज न्यास फाउंडेशन से वर्ष 2०24-25 में लाखों रुपये की लागत से एक्सरे मशीन स्थापित की गई। जिला पंचायत सदस्य सुनील जुयाल,

जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जयवीर सिंह रावत, प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष युद्धवीर सिंह रावत का कहना है कि सीएचसी में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी का सबसे ज्यादा असर महिलाओं पर पड़ रहा है। गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए करीब 7० किलोमीटर दूर जिला अस्पताल बौराड़ी या उत्तरकाशी जाना पड़ता है।

डॉ. मयंक रमोला, प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक सीएचसी कंडीसौड़ ने कहा कि डॉक्टरों के रिक्त पदों पर तैनाती के लिए हर महीने शासन को रिपोर्ट भेजी जाती है। क्षेत्र में स्त्री रोग और बाल रोग विशेषज्ञ की सबसे अधिक आवश्यकता है। अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं का लोगों को समय-समय पर लाभ दिया जाता है।

मां के 20 लाख के गहने चुराकर भागा बेटा राजस्थान से गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। कलियुगी बेटे ने एक ऐसी वारदात को अंजाम दिया जिससे लोग हैरत में पड़ गये। उसने अपनी ही मां के 20 लाख के गहने चुराये और फरार हो गया। मामले की शिकायत मिलने पर पुलिस ने उसे राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है।

मामला कोटद्वार के बालासौड़ का है। यहाँ एक महिला ने जब घर में रखे जेवर गायब देखे तो उसके होश उड़ गए। उसने कोतवाली में आकर चोरी की शिकायत दर्ज कराई। महिला का नाम अनीता बताया जा रहा है और शिकायत 5 अक्टूबर को दी गई थी।

पुलिस ने जब इस मामले की तह तक जाना शुरू किया तो कहानी फिल्मी निकली। एसएसपी पौड़ी सर्वेश पंवार ने इस केस के लिए अलग टीम बनाई थी, जिसमें एसपी मनोज कुमार ठाकुर और सीओ अस्मिता मंगई शामिल थे। टीम ने मौके पर जाकर जांच की और पूरे इलाके के सीसीटीवी कैमरे चेक किए।

जांच में जो बात सामने आई उसने सबको चौंका दिया। चोरी किसी अनजान ने नहीं बल्कि खुद शिकायतकर्ता के बेटे ने की थी। बताया जा रहा है कि वह घर से करीब 20 लाख रुपये कीमत के सोने चांदी के गहने लेकर चुपचाप राजस्थान निकल गया था। पुलिस ने तकनीकी मदद से उसकी लोकेशन निकाली और उसे पकड़ लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और चोरी गए जेवरों की बरामदगी का प्रयास किया जा रहा है।



घर से एक्टिवा, गैस सिलेण्डर व जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के अन्दर से स्कूटी, गैस सिलेण्डर व जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिपुर कला निवासी सुनिल राव ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भांजा बाहर गया हुआ था। आज जब वह अपने भांजे के घर पहुंचा तो उसने देखा कि घर के बाहर खड़ी एक्टिवा व अन्दर से गैस सिलेण्डर व जेवरात गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बुजुर्गों के कल्याण हेतु डीएम की अध्यक्षता में गठित समिति की बैठक बुलाने की मांग

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन ने बुजुर्गों के कल्याण हेतु जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति की बैठक बुलाने की मांग की।

उत्तराखण्ड माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण एवं कल्याण नियमावली 2011 के अंतर्गत, तिहरे हत्याकांड से बुजुर्गों में उत्पन्न असुरक्षा भावना के समाधान हेतु, जिला समिति की बैठक बुलाने की मांग करते हुए संयुक्त नागरिक संगठन देहरादून का प्रतिनिधिमंडल आज जिलाधिकारी से मिलालिखित अनुरोध पत्र में बताया गया है की तिहरे हत्याकांड से पूर्व भी राजधानी में ऐसी कई वारदातें हो चुकी हैं। इससे वरिष्ठ नागरिकों में आक्रोश है और वो इनका समाधान ढूँढने के लिए आवाज उठा रहे हैं। संगठन के अनुभवी सेवानिवृत्त अधिकारियों के पास सकारात्मक सुझाव है और शासन प्रशासन तथा पुलिस विभाग मिलकर इनका क्रियान्वयन कर सकते हैं। इन कदमों से खासतौर पर अकेले रह रही बुजुर्ग दंपतियों को सुरक्षा दी जा सकेगी। जिलाधिकारी ने संगठन की मांग पर शीघ्र बैठक बुलाने का आश्वासन शिष्टमंडल को दिया है। शिष्टमंडल में उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र भट्ट, कॉर्डिनेटर पदमेंद्र सिंह बर्तवाल, सचिव उमेश्वर सिंह रावत शामिल थे।

युवाओं और विद्यार्थियों को वन्यजीवों के महत्व के प्रति जागरूक कर रहा है देहरादून साइक्लिंग क्लब

संवाददाता

देहरादून। देहरादून साइक्लिंग क्लब के युवा नेता प्रणय पंत, आदर्श रावत और आर्यन झा युवाओं एवं स्कूली विद्यार्थियों के बीच वन्यजीवों, जंगलों और प्रकृति के पारिस्थितिक संतुलन के महत्व को लेकर जागरूकता फैला रहे हैं। उनका कहना है कि प्रकृति में मौजूद प्रत्येक जीव की अपनी विशिष्ट भूमिका है। छोटे कीटों, पक्षियों और परागण करने वाले जीवों से लेकर बड़े शाकाहारी एवं मांसाहारी वन्यजीवों तक, सभी खाद्य शृंखला और प्राकृतिक प्रक्रियाओं को संतुलित बनाए रखने में योगदान देते हैं। किसी एक प्रजाति के विलुप्त होने या उसकी संख्या में अत्यधिक कमी आने से पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

देहरादून साइक्लिंग क्लब के अध्यक्ष हरिसिमरन सिंह ने युवा टीम के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए देहरादून वन विभाग के अधिकारियों, डीएफओ श्री वैभव सिंह एवं झाझरा रेंज के रेंजर श्री सोनल पनेरू, के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वन्यजीव संरक्षण एक संवेदनशील और अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है, जिस पर निरंतर जनजागरूकता की आवश्यकता है।

सरकारी विभागों पर यूपीसीएल दिखाए सरस्ती: मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि सरकारी विभागों पर यूपीसीएल सरस्ती क्यों नहीं दिखाता।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने आम विद्युत उपभोक्ताओं की पीड़ा एवं सरकारी विभागों द्वारा विद्युत बकाया भुगतान न करने पर उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक प्रकाश चंद्र ध्यानी से मुलाकात कर विद्युत उपभोक्ताओं से समान व्यवहार करने का आग्रह किया, जिस पर ध्यानी ने कार्यवाही का भरोसा दिलाया। नेगी ने कहा कि एक तरफ जहां आम विद्युत उपभोक्ता का 5000 बकाया होने पर विद्युत कनेक्शन काट दिया जाता है, वहीं दूसरी ओर सरकारी विभागों पर लगभग 1300 करोड़ रुपये बकाया होने के बावजूद भी यूपीसीएल कनेक्शन काटने (हाथ डालने से) कतराता है। यह एक

खेत में घास काट रहे किसान को हाथी ने पटक-पटक कर मार डाला

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। श्यामपुर की ग्राम पंचायत सजनपुर पीली के गांव के बाहर पीली में बीती देर शाम खेत में घास काट रहे किसान को हाथी ने पटक कर मार डाला। अचानक हुए हाथी के हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर हाथी को जंगल की तरफ खदेड़ा।

जानकारी के अनुसार, किसान सतपाल (50) पुत्र भगवान सिंह निवासी बाहर पीली हाईवे के किनारे खेत में घास काट रहे थे। इसी दौरान हाथी धमका और उसने सतपाल को पटक डाला। किसान की मौत से ग्रामीण में रोष फैल गया। ग्रामीण श्यामपुर वन रेंज कार्यालय पहुंच गए। यहां किसी अधिकारी के नहीं मिलने पर लोगों ने बाहर पीली अड्डे पर हाईवे जाम करने का प्रयास किया। देर रात तक पुलिस ग्रामीणों को समझाने में जुटी रही।



तरह से सौतेला व्यवहार है। जैसा कि सूत्र बताते हैं कि सरकारी विभागों की फेहरिस्त में जल निगम/ जल संस्थान पर 450 करोड़, सिंचाई विभाग पर 452 करोड़, नगर निगम/नगर पालिकाओं पर 76 करोड़, अन्य सरकारी विभागों पर 150 करोड़, एमपी/ एमएलए आवासों का 45 करोड़ रुपये, एमएसएसवाई का 258 करोड़ रुपये तथा स्मार्ट सिटी का

45 करोड़ का बकाया है, लेकिन इन महकमों पर यूपीसीएल की खास मेहरबानी रहती है। सरकारी विभागों पर विद्युत बकाया होने के चलते हर वर्ष बिजली के दाम किसी न किसी प्रकार का अधिभार/टैक्स बढ़ा दिया जाता है, जिससे आम उपभोक्ता पिसता रहता है। जरूरत इस बात की है कि सरकारी विभागों पर सरस्ती बरती जाये।



गढ़वाल की ऐतिहासिक राजधानी- 1952 से होने वाली प्राचीन रामलीला-की धरोहर को पुनर्जीवित के क्रम में देहरादून में स्थापित करने हेतु भव्य रामलीला महोत्सव 2026 की कलश यात्रा-घन्टाघर से श्री गुरुनानक मैदान, रेसकोर्स में आयोजित की गई।

दिव्यांगजनों को मतदान के प्रति किया जागरूक!

संवाददाता

देहरादून। स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मोहनी रोड स्थित 'रेफल होम' (दिव्यांगजनों की आवासीय संस्था) में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आज यहां लोकतंत्र के महापर्व में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान के दिशा-निर्देशों के तहत व्यापक मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मोहनी रोड स्थित 'रेफल होम' (दिव्यांगजनों की आवासीय संस्था) में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं दिव्यांगजन नोडल अधिकारी दीपांकर



घिल्डियल ने बताया कि जनपद में 08 अक्टूबर 2026 से दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों तथा बुक्सा जनजाति के 46 गांवों में सघन मतदाता जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों का मुख्य ध्येय अंतिम छोर पर खड़े प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार एवं उसकी महत्ता से अवगत कराना है, ताकि एक सुदृढ़ और समावेशी लोकतंत्र की नींव को और मजबूत किया जा सके। इस दौरान

रेफल होम के दिव्यांगजनों को निर्वाचन प्रक्रिया, मतदान के तरीकों और मताधिकार के महत्व के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। उपस्थित अधिकारियों ने दिव्यांगजनों को आगामी चुनाव में स्वयं शत-प्रतिशत मतदान करने के साथ-साथ समाज के अन्य लोगों को भी मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सुश्री प्रिया लाल, सुश्री पूनम चमोली, पुष्पेंद्र एवं प्रज्वल सहित संस्था के कई लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने बाल विज्ञान महोत्सव का किया शुभारंभ

संवाददाता

बागेश्वर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को बागेश्वर के मंडलसेरा स्थित विवेकानंद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) के तत्वावधान में आयोजित पंचम सीमांत पर्वतीय जनपद बाल विज्ञान महोत्सव का शुभारंभ किया। दो दिवसीय इस महोत्सव में चमोली, चंपावत, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, उत्तरकाशी एवं पिथौरागढ़ के 240 चयनित बाल वैज्ञानिक प्रतिभाग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए सीमांत जनपद विज्ञान महोत्सव एवं संबंधित कार्यक्रमों हेतु एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने राज्य की STEM लैब्स को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जोड़ने तथा सभी विकासखंडों में एक-एक लैब ऑन व्हील्स स्थापित करने की दिशा में कार्य किए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जनपदों में विज्ञान एवं नवाचार केंद्र स्थापित करने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विद्यालयों में विज्ञान एवं तकनीक आधरित शिक्षा को प्रोत्साहित करने के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स और ड्रोन तकनीक को बढ़ावा



◆प्रदेश के सभी जनपदों में विज्ञान एवं नवाचार केंद्र स्थापित करने की घोषणा
◆मुख्यमंत्री ने बाल वैज्ञानिकों से किया संवाद, उनकी जिज्ञासाओं के लिए उत्तर

देने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उन्हें भविष्य की चुनौतियों और संभावनाओं के लिए तैयार करना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने महोत्सव में प्रतिभाग कर रहे बाल वैज्ञानिकों से संवाद किया और उनकी जिज्ञासाओं के उत्तर दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को खूब पढ़ने, नए विचारों पर काम करने और सवाल पूछने की प्रवृत्ति बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के बाल वैज्ञानिक ही भविष्य में देश के प्रमुख वैज्ञानिक, इंजीनियर और शोधकर्ता बनेंगे। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा पीढ़ी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमांत एवं

पर्वतीय क्षेत्रों में आयोजित इस प्रकार के विज्ञान महोत्सव विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ ही उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता और नवाचार की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने और देश एवं प्रदेश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने विद्यालयी शिक्षा में आधुनिक तकनीक के समावेश पर जोर देते हुए रोबोटिक्स एवं ड्रोन तकनीक को शिक्षा से जोड़ने तथा महिला विकास एवं विज्ञान विषय पर सम्मेलन आयोजित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं तकनीक के माध्यम से प्रदेश में नवाचार, सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता और स्मार्ट कृषि को बढ़ावा दिया जा रहा है। देहरादून में साइंस सिटी और चंपावत में साइंस सेंटर विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड के माध्यम से प्रयास कर रही है। इसके साथ ही कृषि, बागवानी, मत्स्य पालन, मौन पालन और होमस्टे जैसे क्षेत्रों में स्वरोजगार की संभावनाओं को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

हरिद्वार में भीषण ओलावृष्टि से कारों के शीशे व सोलर पैनल हुए क्षतिग्रस्त

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार में आज सुबह अचानक मौसम ने करवट ली और आसमान में काले बादल छाने के साथ बिजली की कड़कड़ाहट शुरू हो गई। देखते ही देखते बारिश शुरू हुई, जो धीरे-धीरे तेज होती चली गई। बारिश के साथ बड़े-बड़े ओले गिरने लगे, जिससे बहादुराबाद और शिवालिक नगर सहित हरिद्वार शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सुबह करीब 10 से 11 बजे के बीच हुई भारी ओलावृष्टि ने कई स्थानों पर नुकसान पहुंचाया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, आसमान से बेहद बड़े आकार के ओले गिरे। लोगों का कहना है कि उन्होंने अपने जीवन में इससे पहले इतनी भीषण ओलावृष्टि नहीं देखी। भारी-भरकम ओले गिरने से घरों के बाहर खड़ी कई कारों के शीशे और सनरूफ टूट गए, जबकि अनेक वाहनों को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा कुछ मकानों की खिड़कियों के शीशे और कई लोगों के सोलर पैनल भी ओलावृष्टि की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गए।



अचानक हुई इस घटना से स्थानीय लोग हैरान रह गए और क्षेत्र में ओलावृष्टि की चर्चा होती रही। बारिश और ओले गिरने के चलते तापमान में भी गिरावट महसूस की गई है और मौसम पहले के मुकाबले ठंडा हो गया है। अक्टूबर महीने में हुई इस तरह की भीषण ओलावृष्टि ने लोगों को चौंका दिया है। स्थानीय लोग इसे प्रकृति का अप्रत्याशित कहर बता रहे हैं।

युवक से मारपीट व लूट मामले के दो आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। सार्वजनिक स्थान पर युवक के साथ मारपीट करने वाले 2 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने पूर्व में हुए विवाद के चलते घटना को अंजाम दिया था। जानकारी के अनुसार बीती रोज अंकज पुत्र लाल सिंह निवासी देव ऋषि एनक्लेव देहराखास पटेल नगर देहरादून के द्वारा कोतवाली पटेल नगर पर तहरीर देकर बताया गया था कि 7 अक्टूबर को प्रज्जवल, आदित्य गर्ग, आयुष पंडित, तुषार एवं 15-20 अन्य लड़कों के द्वारा उसके साथ गाली गलौच व मारपीट करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी गयी, इस दौरान आरोपियों द्वारा उसकी चांदी की चैन व 8000 रुपये भी छीन लिये। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद घटना में शामिल 2 आरोपियों आदित्य व प्रज्जवल को पटेलनगर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि अन्य की तलाश जारी है।



पेड़ से लटका मिला युवक का शव, परिजनों ने जतायी हत्या की आशंका

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। पथरी थाना क्षेत्र के ग्राम रानी माजरा में एक युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाया और पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, युवक की मौत को लेकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम रानी माजरा में रवि नाम के युवक का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। युवक का शव देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पथरी थाना



पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

उधर, युवक की मौत की सूचना मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने युवक की मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है।

उन्होंने पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच कर सच्चाई सामने लाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

पुलिस मामले की जांच में जुटी है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस के अनुसार, मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

होटल के शेफ के साथ मारपीट, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

नागपुर। देर रात घर लौट रहे एक होटल के शेफ के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। इस घटना में शेफ सुधांशु उनियाल (27) गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोप है कि विवाद के बाद कुछ लोगों ने उन्हें रोककर उनके साथ मारपीट की। हमले में उनके जबड़े के बाईं ओर फ्रैक्चर हो गया, एक दांत टूट गया, जबकि दूसरा दांत हिलने लगा। चेहरे और मुंह पर गंभीर चोटें आने के कारण उन्हें अस्पताल में उपचार कराना पड़ा। यह घटना सोनेगांव पुलिस थाना क्षेत्र के पंचदीप नगर में हुई।

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, सुधांशु उनियाल शहर के प्रतिष्ठित रेडिसन



ब्लू होटल में शेफ के रूप में कार्यरत हैं। 28 सितंबर 2026 की रात करीब 12.10 बजे उन्होंने होटल में अपनी ड्यूटी पूरी की और पैदल घर लौट रहे थे। इसी दौरान नरेंद्र नगर पुल की ओर जाने वाले रास्ते पर एक सफेद इनोवा कार के पास खड़े कुछ लोगों के साथ उनकी कहासुनी हो गई। शुरुआत में हुआ विवाद आगे चलकर मारपीट में बदल गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विवाद के

बाद पंचदीप नगर में मोटरसाइकिल से पहुंचे दो लोगों ने सुधांशु उनियाल को रोक लिया। इसके बाद उनके साथ मारपीट शुरू कर दी गई। इसी दौरान दो अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए और वे भी कथित तौर पर मारपीट में शामिल हो गए। अचानक हुए इस घटनाक्रम से शेफ को संभलने का मौका नहीं मिला और उनके चेहरे तथा जबड़े पर चोटें आईं। आरोप है कि मारपीट इतनी गंभीर थी कि सुधांशु उनियाल के जबड़े के बाईं ओर फ्रैक्चर हो गया। उनके मुंह का एक दांत टूट गया, जबकि दूसरा दांत हिलने लगा। देर रात ड्यूटी पूरी कर घर लौट रहे एक कर्मचारी के साथ हुई इस घटना ने इलाके में चर्चा पैदा कर दी है।

हमले में घायल होने के बाद सुधांशु उनियाल को अस्पताल में उपचार कराना पड़ा। जबड़े में फ्रैक्चर और दांतों को नुकसान पहुंचने के कारण चोटों की गंभीरता सामने आई। फिलहाल, शिकायत में बताए गए घटनाक्रम और मारपीट के पीछे के कारणों को लेकर पुलिस जांच कर रही है। पीड़ित की शिकायत के आधार पर सोनेगांव पुलिस ने 29 सितंबर 2026 को मामला दर्ज किया। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि विवाद किस बात को लेकर शुरू हुआ था और कथित मारपीट में शामिल लोगों की क्या भूमिका थी। घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटेर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्रियों के लिए प्रिंटेर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।